ऑनलाइन गेमिंग: जुए की देशव्यापी महामारी

ऐनलॉग पनीरः और खाएंगे? / बांके बिहारी कॉरिडोरः कुंज गलियों में गलियारा

4 जून, 2025 60 रुपए

इंडिया टुडे

भारत-पाकिस्तान

एटमी जंग

खतरा सच के कितना करीब

CamScanner

राज्य दर्पण

जम्मू-कश्मीरः पानी से उठी विवाद की आग पेज 14

गुजरातः सुरक्षा के नाम पर जमींदोज झुग्गियां पेज 17

इंडिया पिक्चर

अनंत यात्राः गया में फल्गू के किनारे विष्णुपद मंदिर; नीचे, सीएम नीतीश कुमार; ऊपर दाएं, बोधगया में बुद्ध ... प्रतिमा

रंजन राही

गया का नाम भी बदल गयाजी

बीस साल के शासन में नीतीश कुमार सरकार ने पहली बार किसी शहर का नाम बदला. गया का नाम बदलकर किया गयाजी

पुष्यमित्र

"नीतीश जी ऐसे नहीं थे." जाने-माने लेखक-राजनेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पूर्व सहयोगी प्रेम कुमार मणि जब यह टिप्पणी करते हैं, तो उनकी बातों में विरोध के साथ उदासी भी झलकती है. वे कहते हैं, "बीस साल के शासन में नीतीश जी के सामने ऐसे कई प्रस्ताव आए, जब किसी शहर, किसी जगह का नाम बदलने की बात चली. मगर वे कहते थे, 'ये सब फिजूल की बातें हैं. हम इस पर अपना वक्त जाया नहीं करेंगे.' मगर अब वे भी इसी लाइन में आ गए." दरअसल, मणि बिहार सरकार के उस फैसले पर टिप्पणी कर रहे थे, जिसके तहत राज्य कैबिनेट ने गया शहर का नाम बदलकर गयाजी रखने की स्वीकृति दी है. नीतीश और उनकी पार्टी जद (यू) 2005 से राज्य में सत्ता पर काबिज है मगर इतने वर्षों में सरकार ने पहली बार किसी जगह का नाम बदला है.

गया का नाम गयाजी रखने का मूल प्रस्ताव 2022 में गया नगर निगम ने पास कर सरकार के पास भेजा था. तब गया के डिप्टी मेयर रहे मोहन श्रीवास्तव कहते हैं, "हमने न सिर्फ नाम बदलने का प्रस्ताव किया बल्कि गयाजी विकास समिति का भी गठन किया. इस समिति में शहर के विभिन्न तबके के लोगों को शामिल किया गया. फिर हमने इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए एक बड़ा आयोजन किया, जिसमें तत्कालीन उप-मुख्यमंत्री तारकेश्वर प्रसाद और पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी को आमंत्रित किया था. बाद में जीतनराम मांझी जी ने इस प्रस्ताव को आगे भी बढ़ाया. मगर सरकार को

CamScanner

पद पर बने हैं बदजुबान मंत्री